DEPARTMENT OF HINDI, GAUHATI UNIVERSITY

MODIFIED SYLLABUS FOR B.A. REGULAR CBCS CURRICULUM

(PASSED IN THE CCS-UG HINDI MEETING HELD ON 18.07.2022)

LIST OF PAPERS

हिन्दी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय

चयन आधारित क्रेडिट-व्यवस्था की पाठ्यचर्या के अन्तर्गत संशोधित स्नातक (रेगुलर) पाठ्यक्रम

{दिनांक 18.07.2022 को आयोजित सीसीएस-यूजी (CCS-UG) हिन्दी की बैठक में गृहीत}

प्रश्न-पत्रों की सूची

क्रम-संख्या	प्रश्न-पत्रों के कोड	प्रश्न-पत्रों के शीर्षक
		मुख्य कोर्स {(CORE COURSE) (कुल 4 प्रश्न-पत्र)}
1	HIN-RC-1016	हिन्दी साहित्य का इतिहास
2	HIN-RC-2016	मध्यकालीन हिन्दी कविता
3	HIN-RC-3016	आधुनिक हिन्दी कविता
4	HIN-RC-4016	हिन्दी गद्य साहित्य

योग्यता-वर्धक अनिवार्य कोर्स {ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC) (1 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-AE-1014	हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

कौशल-वर्धक कोर्स {SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC) (कुल 4 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-SE-3014	कार्यालयीन अनुवाद
2	HIN-SE-4014	अनुवाद विज्ञान
3	HIN-SE-5014	रंग आलेख और रंगमंच
4	HIN-SE-6014	भाषा-शिक्षण

विषय-विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स {DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE) (कुल 2 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-RE-5016	लोक-साहित्य
2	HIN-RE-5026	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा
3	HIN-RE-5036	पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी

4	HIN-RE-6016	छायावाद
5	HIN-RE-6026	प्रेमचन्द
6	HIN-RE-6036	विश्व में हिन्दी एवं प्रवासी हिन्दी साहित्य

सामान्य ऐच्छिक कोर्स {GENERIC ELECTIVE (GE) (कुल 2 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-RG-5016	संगीत एवं साहित्य
2	HIN-RG-6016	तुलनात्मक भारतीय साहित्य : असमीया कहानी

स्नातक साधारण पाठ्यक्रम {सी.सी.} (कुल 2 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-CC-3016	हिन्दी काव्य-धारा
2	HIN-CC-4016	हिन्दी कथा साहित्य

स्नातक (रेगुलर) पाठ्यक्रम का कार्यक्रम-प्रारूप

छमाही	प्रकार	मुख्य कोर्स (CORE COURSE)	योग्यता-वर्धक अनिवार्य कोर्स {ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)}	कौशल-वर्धक {SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)}	विषय-विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स {DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE)}	सामान्य ऐच्छिक कोर्स {GENERIC ELECTIVE (GE)}
	क्रेडिट	12x6=72	2x4=8	4x4=16	4x6=24	2x6=12
I		ENG-CC-1016 HIN-RC-1016 (हिन्दी साहित्य का इतिहास) ZZZ-RC-1016	ENG-AE-1014/ ASM-AE-1014/ HIN-AE-1014 (हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण)			
II		ENG-CC-2016 HIN-RC-2016 (मध्यकालीन हिन्दी कविता)	ENV-AE-2014			

		ZZZ-RC-2016				
III		HIN-CC-3016 (हिन्दी काव्य धारा)/ ALT-CC-3016 HIN-RC-3016 (आधुनिक हिन्दी कविता) ZZZ-RC-3016		HIN-SE-3014 कार्यालयीन अनुवाद		
IV		HIN-CC-4016 (हिन्दी कथा साहित्य)/ ALT-CC-4016 HIN-RC-4016 (हिन्दी गद्य साहित्य) ZZZ-RC-4016		HIN-SE-4014 अनुवाद विज्ञान		
V				HIN-SE-5014 रंग आलेख और रंगमंच	HIN-RE-5016 लोक-साहित्य HIN-RE-5026 हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा HIN-RE-5036 पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी ZZZ-RE-5016	HIN-RG-5016 संगीत एवं साहित्य
VI				HIN-SE-6014 भाषा-शिक्षण	HIN-RE-6016 छायावाद HIN-RE-6026 प्रेमचन्द HIN-RE-6036 विश्व में हिन्दी एवं प्रवासी हिन्दी साहित्य ZZZ-RE-6016	HIN-RG-6016 तुलनात्मक भारतीय साहित्य : असमीया कहानी

मुख्य कोर्स (CORE COURSE)

HIN-RC-1016
हिन्दी साहित्य का इतिहास
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिककाल – इन चारों कालखण्डों में विरचित हिन्दी साहित्य के इतिहास की सामान्य जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **आदिकाल –** सीमा-निर्धारण; नामकरण की समस्या; सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो काव्य की विशेषताएँ; प्रमुख कवि – सरहपा, गोरखनाथ, चंदबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति

इकाई 2 **भक्तिकाल –** सीमा-निर्धारण; भक्ति-आन्दोलन का स्वरूप; सन्त, सूफी, राम एवं कृष्ण भक्ति काव्यों की प्रवृत्तियाँ; प्रमुख कवि – कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी, तुलसीदास, सूरदास, मीराँबाई

इकाई 3 **(क) रीतिकाल --** सीमा-निर्धारण; नामकरण की समस्या, रीतिकवियों का आचार्यत्व; रीतिकाल के प्रवर्तक; रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ; प्रमुख कवि – केशवदास, बिहारीलाल, देव, भूषण, घनानन्द

(ख) आधुनिक काल -- सीमा-निर्धारण; आधुनिक और आधुनिकता ; आधुनिककालीन भारतीय नवजागरण; आधुनिककालीन कविता की विकास-यात्रा; प्रमुख कवि – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, दिनकर, अज्ञेय, धूमिल

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
3. *हिन्दी साहित्य की भूमिका* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
5. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *रीतिकाव्य की भूमिका* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

7. *रीतिकाल : तथ्य और चिन्तन* – डॉ॰ सरोजिनी पाण्डेय, विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर।

8. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

HIN-RC-2016
मध्यकालीन हिन्दी कविता
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी और घनानन्द जैसी अमर विभूतियों का काव्य-रस प्रदान करना, साथ ही उन्हें सधुक्कड़ी, अवधी और ब्रजी हिन्दी से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक** – *मध्ययुगीन काव्य* : डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

पाठ : **कबीर** (साखी : 16-30, पद : 5-6), पाठ – **सूरदास** (मुरली-वर्णन, भ्रमरगीत)

इकाई 2 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक** --*मध्ययुगीन काव्य* : डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

पाठ : **तुलसीदास** (विनय पत्रिका, भरतविनय प्रसंग)

इकाई 3 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक** – *मध्ययुगीन काव्य* : डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

पाठ : **बिहारी** (दोहा : 1-15), **घनानन्द** (छन्द : 1-6)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *कबीर-मीमांसा* – डॉ॰ रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. *कबीर* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

3. *सूर और उनका साहित्य* – डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।

4. *तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन* – डॉ॰ देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

5. *गोस्वामी तुलसीदास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली।

6. *बिहारी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

7. *बिहारी का काव्य-सौष्ठव* – डॉ॰ कल्पना पटेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

8. *घनानन्द का साहित्यिक अवदान* – डॉ॰ हनुमंत रणखांब, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

HIN-RC-3016

आधुनिक हिन्दी कविता

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित द्विवेदीयुगीन, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक, छायावादयुगीन एवं छायावादोत्तर कविताओं का रस प्रदान करते हुए उन्हें आधुनिक भाव-बोध तथा आधुनिक काव्य-शिल्प से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :** *हिन्दी काव्य-सुधा*, गौहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन विभाग ।

पाठ : **हरिऔध** (आँख का आँसू), **मैथिलीशरण गुप्त** (पंचवटी में लक्ष्मण), **माखनलाल चतुर्वेदी** (युग-पुरुष)

इकाई 2 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :** *हिन्दी काव्य-सुधा*, गौहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन विभाग ।

पाठ : **जयशंकर प्रसाद** (मेरे नाविक, झरना), **महादेवी वर्मा** (मेरे दीपक, दीप मेरे जल), **बच्चन** (जो बीत गई सो बात गई)

इकाई 3 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :** *छायावादोत्तर काव्य-संग्रह* -- राम नारायण शुक्ल और डॉ॰ श्रीनिवास पाण्डेय (संपा.), संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।

पाठ : **अज्ञेय** (साँप), **धर्मवीर भारती** (टूटा हुआ पहिया), **धूमिल** (रोटी और संसद)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

3. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

4. *छायावाद की परिक्रमा* -- श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5. *आधुनिक हिन्दी कविता* – डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

6. *आधुनिक कविता यात्रा* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7. *मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत* -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

8. *हरिऔध के काव्य में राष्ट्रीयता एवं सामाजिकता* – डॉ॰ मंजु तरडेजा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

9. *माखनलाल चतुर्वेदी : काव्य एवं दर्शन* – डॉ॰ दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

10. *महादेवी* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

11. *जयशंकर प्रसाद* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

12. *अज्ञेय : कवि और काव्य* – डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

13. *धूमिल और उनका काव्य-संघर्ष* – डॉ॰ ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

14. *समकालीन हिन्दी कविता* – ए. अरविन्दाक्षण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

15. *धूमिल की काव्य-चेतना* – डॉ॰गीता अस्थाना, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

16. *धर्मवीर भारती की काव्य-साधना* – डॉ॰ मंजूषा श्रीवास्तव, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद ।

17. *बच्चन : कविता और जीवन के अन्तःसूत्र* – सीमा जैन, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

18. *प्रसाद-निराला-अज्ञेय* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

HIN-RC-4016
हिन्दी गद्य साहित्य
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों के समक्ष हिन्दी उपन्यास, कहानी, निबन्ध -- जैसी गद्य-विधाओं की झाँकी प्रस्तुत करते हुए चुनी हुई रचनाओं का रसास्वादन कराना एवं उनके माध्यम से उभरते हुए जीवन-बोध का परिचय दिलवाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 उपन्यास
भीष्म साहनी : **तमस**

इकाई 2 कहानी
प्रेमचन्द : **ईदगाह** ; फणीश्वरनाथ रेणु : **तीसरी क़सम** ; यशपाल : **परदा** ; उषा प्रियम्वदा : **वापसी**

इकाई 3 निबन्ध
रामचन्द्र शुक्ल : **लोभ और प्रीति**
हजारी प्रसाद द्विवेदी : **कुटज**
विद्यानिवास मिश्र : **वसन्त आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं**

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :

1. *तमस* – भीष्म साहनी, राजकमल पेपरबेक्स, नयी दिल्ली ।
2. *कहानी विविधा* – डॉ॰ देवीशंकर अवस्थी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *कथा भारती* – डॉ॰ लक्ष्मीनारायण लाल (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
4. *नागर-कथाएँ* – डॉ॰ बालेन्दु शेखर तिवारी (संपा.), अमन प्रकाशन, कानपुर ।
5. *चिन्तामणि (पहला भाग)* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस (पब्लिकेशन्स), प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग ।
6. *हिन्दी निबन्ध* – डॉ॰ शिवप्रसाद सिंह (संपा.), हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
7. *निबन्ध-निकष* – प्रो॰ महेन्द्र प्रताप (प्रधान संपा.), रवि प्रकाशन, आगरा ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *प्रेमचन्द* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. *प्रेमचन्द : साहित्य विवेचन* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *हिन्दी उपन्यास का इतिहास* – डॉ॰ गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. *हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा* – डॉ॰ रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. *आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सृजन और आलोचना* – डॉ॰ चन्द्रकान्त बांदिबडेकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
6. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
7. *कहानीकार प्रेमचन्द : रचना-दृष्टि और रचना-विधान* – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8. *विद्यानिवास मिश्र का निबंध-साहित्य : सन्दर्भ और अभिव्यक्ति* – डॉ॰ श्यामसुंदर पाण्डेय, विनय प्रकाशन, कानपुर ।
9. *तमस उपन्यास में देशविभाजन की त्रासदी* – प्रो॰ दिलीप फोलाने, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
10. *रेणु का कथा-साहित्य* – डॉ॰ सुरेश चन्द्र महरोत्रा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
11. *कथाकार उषा प्रियम्वदा* – डॉ॰ सुभाष पवार, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
12. *यशपाल का कहानी-संसार : एक अंतरंग परिचय* – सी.एम. योहन्नान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

योग्यता-वर्धक अनिवार्य कोर्स

{ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)}

HIN-AE-1014

हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण :20

क्रेडिट : 4

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण और हिन्दी के माध्यम से सम्यक् सम्प्रेषण की जानकारी देते हुए हिन्दी भाषा के उपयोग के सन्दर्भ में उनकी योग्यता में वृद्धि लाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था :** स्वर और व्यंजन

हिन्दी व्याकरण एवं रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय का परिचय

इकाई 2 उपसर्ग, प्रत्यय और समास, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि

इकाई 3 सम्प्रेषण की अवधारणा, महत्व, प्रकार, मुहावरा, लोकोक्ति, पल्लवन, संक्षेपण

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी व्याकरण* – पं. कामताप्रसाद गुरु, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
2. *हिन्दी व्याकरण मीमांसा* -- काशीराम शर्मा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
3. *व्याकरण प्रदीप* -- रामदेव एम. ए., राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
4. *नवशती हिन्दी व्याकरण* – बद्रीनाथ कपूर, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
5. *मानक हिन्दी का व्यवहारपरक व्याकरण* – रमेशचन्द्र मेहरोत्रा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
6. *हिन्दी भाषा का बृहत् ऐतिहासिक व्याकरण* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली।
7. *मानक हिन्दी का पारम्परिक व्याकरण* – शुकदेव शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर।
8. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
9. *हिन्दी व्याकरण-विमर्श* – तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

कौशल-वर्धक कोर्स

{SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)}

*(<u>**नोट**</u> : इस कोर्स के लिए महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षिक-भ्रमण की व्यवस्था की जा सकती है।)*

<u>द्रष्टव्य</u> : *इस कोर्स के अन्तर्गत प्रत्येक प्रश्न-पत्र में व्यावहारिक परीक्षण हेतु एक निर्देशक के तत्वावधान में विभाग की ओर से दिए गए एक विषय पर (निर्धारित पाठ्यक्रम में से) लगभग दो हज़ार शब्दों में एक प्रोजेक्ट-रिपोर्ट (टंकित या हस्तलिखित) जमा करना होगा। विद्यार्थी को विभागीय अध्यक्ष, प्रोजेक्ट-निर्देशक, विभाग के प्राध्यापकगण एवं महाविद्यालय के अध्यक्ष या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि के समक्ष अपने कार्य की पुष्टि हेतु मौखिकी के रूप में प्रस्तुति देनी होगी। यह प्रस्तुति पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के रूप में हो सकती है। विभाग के अध्यक्ष, प्रोजेक्ट के निर्देशक और महाविद्यालय के अध्यक्ष अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि से बनी मूल्यांकन-*

*समिति में से महाविद्यालय के अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि **20** अंक (लेखन : 15 + मौखिकी : 5) तथा विभाग के अध्यक्ष **15** अंक (लेखन : 10 + मौखिकी : 5) एवं प्रोजेक्ट के निर्देशक **15** अंक (लेखन : 10 + मौखिकी : 5) के अन्तर्गत मूल्यांकन करेंगे ।*

HIN-SE-3014
कार्यालयीन अनुवाद

कुल अंक : 100
सैद्धांतिक परीक्षण : 50
व्यावहारिक परीक्षण : 50
क्रेडिट : 4

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के विविध रूपों, हिन्दी-सम्बन्धी विविध संवैधानिक प्रावधानों, हिन्दी के माध्यम से किए जाने वाले विभिन्न पत्राचारों, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन-प्रक्रियाओं और कार्यालयीन प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों के अनुप्रयोग-सम्बन्धी सम्यक् जानकारी देकर उनके हिन्दी प्रयोग-सम्बन्धी कौशल में वृद्धि लाना इस प्रश्न-पत्र का प्रधान लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **हिन्दी भाषा के विविध रूप --** राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा
शिक्षण-माध्यम भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा
राजभाषा का स्वरूप, भारतीय संविधान में राजभाषा सम्बंधी परिनियमावली का सामान्य परिचय, राजभाषा के रूप में हिन्दी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं सम्भावित समाधान

इकाई 2 टिप्पण, प्रारूप/आलेखन, पल्लवन, संक्षेपण
विभिन्न प्रकार के पत्राचार, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन प्रक्रियाएँ
कार्यालयीन पत्रों का अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी)

इकाई 3 पारिभाषिक शब्दावली
कार्यालयीन प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का अनुप्रयोग : कम्प्यूटर, लेपटॉप, टेबलेट, टेलीप्रिंटर, टेलेक्स, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेंदु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना ।
3. *राजभाषा हिन्दी* -- डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
4. *राजभाषा हिन्दी: विकास के विविध आयाम* – डॉ॰ मलिक मोहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

5. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* -- प्रो॰ विराज, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली।

6. *व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण* – डॉ॰ अमूल्य बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।

7. *कार्यालय सहायिका* – हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली।

8. *अनुवाद विज्ञान* — डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली।

9. *अनुवाद-सुधा (भाग-1)* -- डॉ॰अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।

10. *अनुवाद-सुधा (भाग-2)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।

HIN-SE-4014
अनुवाद विज्ञान
कुल अंक : 100
सैद्धांतिक परीक्षण : 50
व्यावहारिक परीक्षण : 50
क्रेडिट : 4

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को अनुवाद-सम्बन्धी सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देकर, विशेषतः कार्यालयीन अनुवाद के सन्दर्भ में राजभाषा-नीति के अनुपालन में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज़ों के सटीक अनुवाद की सम्यक् जानकारी प्रदान करके कार्यालय, तकनीकी, सर्जनात्मक साहित्य आदि विविध क्षेत्रों में उनके हिन्दी-अनुवाद-सम्बन्धी कौशल में वृद्धि लाना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकृति, अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व, बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद-कार्य की भूमिका, **अनुवाद के प्रकार** – शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद

इकाई 2 **अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण** – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन

अनुवाद की भूमिका – पाठक की भूमिका (अर्थ-ग्रहण की), द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थ-सम्प्रेषण की प्रक्रिया)

सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ, सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर, गद्यानुवाद और काव्यानुवाद में अन्तर

इकाई 3 **कार्यालयीन अनुवाद :** राजभाषा-नीति के अनुपालन में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेजों का अनुवाद (शासकीय पत्र/ अर्धशासकीय पत्र/ परिपत्र/ ज्ञापन/ कार्यालयीन आदेश/ अधिसूचना/ संकल्प-प्रस्ताव/ निविदा-संविदा/ विज्ञापन

व्यावहारिक अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. *अनुवाद-सुधा (भाग-1)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्दभारती, गुवाहाटी ।
3. *अनुवाद-सुधा (भाग-2)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी ।
4. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेंदु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना ।
6. *राजभाषा हिन्दी* -- डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
7. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* --प्रो॰ विराज, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली ।
8. *व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण* – डॉ॰ अमूल्य बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी ।
9. *कार्यालय सहायिका* – हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली ।

HIN-SE-5014
रंग आलेख एवं रंगमंच
कुल अंक : 100
सैद्धांतिक परीक्षण : 50
व्यावहारिक परीक्षण : 50
क्रेडिट : 4

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को नाटक एवं रंगमंच-सम्बन्धी विस्तृत ज्ञान, हिन्दी नाट्य-लेखन के इतिहास की सम्यक् जानकारी तथा रंग-आलेख की प्रविधि-सम्बन्धी आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराते हुए उन्हें आजीविका की दृष्टि से भी इस ओर प्रोत्साहित करना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **नाटक के प्रमुख प्रकार और उनका रचना-विधान** – पूर्णांकी, एकांकी, लोकनाटक, प्रहसन, काव्य नाटक, नुक्कड़ नाटक, प्रतीक नाटक, भाव नाटक, पाठ्य नाटक, रेडियो नाटक, टी.वी. नाटक

हिन्दी नाट्य-लेखन का इतिहास

हिन्दी नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, समस्यामूलक तथा एबसर्ड नाटक

इकाई 2 हिन्दी के प्रमुख नाटक और नाटककार

हिन्दी रंगमंच के प्रमुख रूप – **(क)** शौकिया मंच **(ख)** सरकारी मंच

हिन्दी क्षेत्र की प्रसिद्ध रंगशालाएँ तथा संस्थाएँ

इकाई 3 रंगशिल्प प्रशिक्षण, रंग स्थापत्य, रंग सज्जा, रंग दीपन, ध्वनि व्यवस्था एवं प्रसाधन, निर्देशन एवं अभिनय; रंगमंच-भाषा की विशेषताएँ

रंग-आलेख की प्रविधि – वस्तुविधान, पात्र-परिकल्पना, परिस्थिति-योजना, संवाद-लेखन का वैशिष्ट्य, रंग-निर्देशों की उपयोगिता

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *रंगदर्शन* – नेमिचन्द्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. *नाट्य-विमर्श* – मोहन राकेश (संपा. जयदेव तनेजा), राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *हिन्दी रंगमंच का इतिहास* – डॉ॰ चंदुलाल दुबे, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा ।
4. *आधुनिक हिन्दी नाटक-कला* – वेदव्यास, वेदव्यास एण्ड कम्पनी, लाहौर ।
5. *बीसवीं शताब्दी का हिन्दी नाटक एवं रंगमंच* – गिरीश रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली ।
6. *हिन्दी नाटक और रंगमंच में लोकतत्व* – डॉ॰ हरदीप कौर सुमरा, अनुराधा प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
7. *रंग-प्रक्रिया के विविध आयाम* – प्रेम सिंह एवं सुषमा आर्य (संपा.), राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN-SE-6014

भाषा-शिक्षण

कुल अंक : 100
सैद्धांतिक परीक्षण : 50
व्यावहारिक परीक्षण : 50
क्रेडिट : 4

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के शब्द-भण्डार-सहित व्याकरण-सम्बन्धी मूलभूत बातों, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से देवनागरी लिपि में सुधार की आवश्यकता-सहित उसकी तमाम विशेषताओं और असमीया भाषा के सन्दर्भ में हिन्दी के विशिष्ट शब्दों की स्थिति आदि सभी जरूरी जानकारियाँ देकर हिन्दी भाषा के शिक्षण-सम्बन्धी उनलोगों के कौशल में वृद्धि लाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **हिन्दी भाषा एवं शब्द भण्डार** – तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम

भाषा-विज्ञान के मूलाधार – व्याकरण-बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य-विन्यास, वैज्ञानिक उपकरण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास

इकाई 2 पर्यायवाची, समार्थक, विलोम, गूढ़ार्थवाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द-युग्म
देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण-संशोधन की आवश्यकता

इकाई 3 हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का असमीया भाषा के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन
हिन्दी भाषा का भविष्य

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी व्याकरण* – पं. कामताप्रसाद गुरु, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
2. *हिन्दी व्याकरण मीमांसा* – काशीराम शर्मा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
3. *व्याकरण प्रदीप* – रामदेव एम.ए., राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
4. *नवशती हिन्दी व्याकरण* – बद्रीनाथ कपूर, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
5. *मानक हिन्दी का व्यवहारपरक व्याकरण* – रमेशचन्द्र महरोत्रा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
6. *हिन्दी भाषा का वृहत् ऐतिहासिक व्याकरण* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
7. *मानक हिन्दी का पारम्परिक व्याकरण* – शुकदेव शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर ।
8. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना ।
9. *हिन्दी भाषा* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद ।
10. *हिन्दी-असमीया शब्दकोश* – असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी ।
11. *हिन्दी भाषा का विकास* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा और रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
12. *हिन्दी भाषा और नागरी लिपि* – लक्ष्मीकान्त वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।
13. *हिन्दी व्याकरण-विमर्श* – तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

विषय-विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स

{DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE)}

*(<u>**द्रष्टव्य**</u> **:** विद्यार्थियों को HIN-RE-5016, HIN-RE-5026 और HIN-RE-5036 में से **एक** प्रश्न-पत्र तथा HIN-RE-6016, HIN-RE-6026 और HIN-RE-6036 में से **एक** प्रश्न-पत्र का चयन करना होगा ।)*

HIN-RE-5016
लोक-साहित्य
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण :20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को लोक, लोक-संस्कृति और लोक-साहित्य (लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा आदि) की सम्यक् जानकारी देते हुए उन्हें लोक-जीवन की सरसता की ओर उन्मुख करना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्षय है ।*

इकाई 1 लोक-संस्कृति की अवधारणा, लोक-संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतर्संबंध, लोक-साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई 2 भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण; लोक-गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, ऋतुगीत

इकाई 3 लोक-नाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, यक्षगान ; हिन्दी लोक-नाट्य की परम्परा ; हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोक-नाट्य का प्रभाव, लोक-कथा : व्रतकथा, परिकथा, कथा-रूढ़ियाँ और अंधविश्वास

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *लोक साहित्य विज्ञान* – डॉ॰ सत्येन्द्र, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा ।
2. *लोक-साहित्य की भूमिका* – डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद ।
3. *गंगा घाटी के गीत* – डॉ॰ हीरालाल तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
4. *लोक-साहित्य के विविध आयाम* – वीणा दाधे, अमन प्रकाशन, कानपुर ।
5. *लोक-साहित्य : अर्थ और व्याप्ति* – डॉ॰ सुरेश गौतम, साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।
6. *लोकगीतों के सन्दर्भ और आयाम* – डॉ॰ शान्ति जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

HIN-RE-5026
हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण :20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा के चुनिन्दा कवि-कवयित्रियों की सरस रचनाओं से परिचित कराकर उनमें इस काव्यधारा के प्रति रुचि एवं देश-प्रेम की भावना को जगाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **मैथिलीशरण गुप्त** – मनुष्यता, हमारी सभ्यता, भारत की श्रेष्ठता

इकाई 2 **माखनलाल चतुर्वेदी** – आ गए ऋतुराज, सिपाही, सिपाहिनी

इकाई 3 **रामधारी सिंह 'दिनकर'** – जनतंत्र का जन्म, भारत का यह रेशमी नगर, अवकाशवाली सभ्यता

इकाई 4 **सुभद्रा कुमारी चौहान** – झाँसी की रानी, स्वदेश के प्रति, वीरों का कैसा हो वसन्त ?

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *राष्ट्रवाणी* -- डॉ॰ वासुदेव सिंह (संपा.), संजय बुक सेंटर, वाराणसी

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *राष्ट्रीय काव्य धारा* – कन्हैया सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
3. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. *मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत* -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
5. *माखनलाल चतुर्वेदी: काव्य एवं दर्शन* – डॉ॰ दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
6. *दिनकर : अर्धनारीश्वर कवि* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
7. *राष्ट्रभक्त कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान* – एम. राजस्वी, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN-RE-5036

पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी

कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को पूर्वोत्तर भारत के आठों प्रान्तों में हिन्दी को लेकर चल रही गतिविधियों की जानकारी देते हुए उन्हें पूर्वोत्तर में रचित चुनी हुई हिन्दी-रचनाओं से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी की स्थिति**

असम में हिन्दी के प्रचार-प्रसार का विस्तृत इतिहास; मेघालय, मिज़ोरम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा एवं सिक्किम में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की सामान्य जानकारी

इकाई 2 असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी; मणिपुर हिन्दी प्रचार सभा, इम्फ़ाल; असम राष्ट्रभाषा सेवक संघ, गुवाहाटी; असम राज्य राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, जोरहाट; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान की गुवाहाटी, शिलांग और दीमापुर शाखाएँ; मेघालय राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, शिलांग; केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, गुवाहाटी शाखा की गतिविधियाँ।

पूर्वोत्तर से प्रकाशित प्रमुख हिन्दी पत्र-पत्रिकाएँ (दैनिक पूर्वोदय, सेंटीनल, समन्वय पूर्वोत्तर, राष्ट्रसेवक)

इकाई 3 **राह और रोड़े** -- छगनलाल जैन (उपन्यास)
भिण्डी के फूल – डॉ॰ हीरालाल तिवारी (गद्यकाव्य)

<u>पाठ्य-पुस्तक एवं सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *राष्ट्रभाषा प्रचार - एक झांकी* – चित्र महन्त, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।
2. *राष्ट्रभाषा का इतिहास* – चित्र महन्त, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।
3. *राह और रोड़े* -- छगनलाल जैन, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।
4. *हिन्दी गद्य-संकलन* – डॉ॰ परेशचन्द्र देव शर्मा एवं डॉ॰ हीरालाल तिवारी (संपा.), असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।
5. *हीर-ज्योति* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मन एवं डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), हिन्दी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय।

HIN-RE-6016
छायावाद

कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को चुनी हुई छायावादी कविताओं से परिचित कराकर उन्हें इस महती काव्य-धारा की संवेदना और शिल्पगत विशेषताओं के दर्शन कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **जयशंकर प्रसाद** – हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, ले चल वहाँ भुलावा देकर, अरुण यह मधुमय देश हमारा

इकाई 2 **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'**– जूही की कली, सन्ध्या सुन्दरी, स्नेह निर्झर

इकाई 3 **सुमित्रानन्दन पन्त** – मौन निमंत्रण, द्रुत झरो, भारतमाता

इकाई 4 **महादेवी वर्मा** – मन्दिर का दीप, धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ वसन्त रजनी, मधुर वह था जीवन

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :

1. *आधुनिक काव्य संग्रह* – रामवीर सिंह (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *जयशंकर प्रसाद* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. *महाप्राण निराला* – गंगाप्रसाद पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. *कवि सुमित्रानन्दन पन्त* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
4. *महादेवी* – इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. *छायावाद की परिक्रमा* – श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. *प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण* – रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. *आधुनिक हिन्दी कविता* – डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. *महादेवी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. *निराला : आत्महंता आस्था* – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. *प्रसाद-निराला-अज्ञेय* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

HIN-RE-6026
प्रेमचन्द

कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी के महान साहित्यकार प्रेमचन्द की चुनी हुई रचनाओं (उपन्यास, निबन्ध, कहानियाँ) के अध्ययन के जरिए इस लोकप्रिय साहित्यिक विभूति से भली-भाँति परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **(क)** प्रेमचन्द के साहित्य का सामान्य परिचय

(ख) निबन्ध – साहित्य का उद्देश्य

इकाई 2 **उपन्यास-** सेवासदन

इकाई 3 **कहानियाँ** – पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं ऑनलाइन लिंक्स</u> :

1. *सेवासदन* – सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
2. *साहित्य का उद्देश्य* -- http://desharyana.in/archives/5249
3. *हिन्दी गद्य-संकलन* – डॉ॰ परेशचन्द्र देव शर्मा एवं डॉ॰ हीरालाल तिवारी (संपा.), असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।
4. *शतरंज के खिलाड़ी* – http://premchand.co.in/story/shatranj-ke-khiladi
5. *सप्तसरोज – मुंशी प्रेमचन्द, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।*
6. *कृति कथाएँ* – डॉ॰ शुकदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. *कहानी विविधा* – डॉ॰ देवी शंकर अवस्थी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *प्रेमचन्द और उनका युग* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. *हमारे कवि और लेखक* – डॉ॰ राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी और राकेश, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
3. *कलम का मजदूर : प्रेमचन्द* – मदन गोयल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. *कहानीकार प्रेमचन्द : रचना-दृष्टि और रचना-विधान* – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. *प्रेमचन्द : एक साहित्यिक विवेचन* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *प्रेमचन्द के आयाम* – ए. अरविंदाक्षण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIN-RE-6036

विश्व में हिन्दी एवं प्रवासी हिन्दी साहित्य

कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को विश्व के अलग-अलग देशों में हिन्दी की परिव्याप्ति की जानकारी दिलाकर प्रवासी हिन्दी साहित्यकारों द्वारा रचित रचनाओं का रसास्वादन कराना और उनमें निहित जीवन-संघर्ष से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य**

विश्व फलक पर हिन्दी, हिन्दी का वैश्वीकरण एवं विश्व हिन्दी सम्मेलन, विदेशों में हिन्दी की लोकप्रियता

इकाई 2 **लाल पसीना** (अभिमन्यु अनत)

इकाई 3 **कोख का किराया** (तेजेन्द्र शर्मा), **साँकल** (जाकिया जुबेरी), **यूं ही चलते हुए** (पूर्णिमा बर्मन)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ एवं ऑनलाइन लिंक्स</u> :

1. *भारत और विश्व पटल पर हिन्दी* – डॉ॰ सुशीला गुप्ता (संपा.), अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, नयी दिल्ली।
2. *लाल पसीना* – अभिमन्यु अनत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. *कोख का किराया* -- तेजेन्द्र शर्मा
   https://www.hindisamay.com/content/1051/1/तेजेंद्र-शर्मा-कहानियाँ-कोख-का-किराया.cspx
4. *साँकल* -- जाकिया जुबेरी
   https://www.matrubharti.com/novels/16546/saankal-by-zakia-zubairi
5. *यूं ही चलते हुए* -- पूर्णिमा बर्मन
   http://www.abhivyakti-hindi.org/lekhak/purnimavarman.htm
6. *विश्वपटल पर हिन्दी* – सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. *अभिमन्यु अनत का उपन्यास साहित्य* – डॉ॰ श्रीचित्रा. वी. एस., विद्या प्रकाशन, कानपुर।
8. *तेजेन्द्र शर्मा का रचना-संसार* – प्रो॰ प्रदीप श्रीधर, विनय प्रकाशन, कानपुर।
9. *हिन्दी का प्रवासी साहित्य* – डॉ॰ कालीचरण स्नेही, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
10. *साँकल : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन* – पूजा प्रजापति, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।

सामान्य ऐच्छिक कोर्स
{GENERIC ELECTIVE (GE)}

HIN-RG-5016
संगीत एवं साहित्य
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण :20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को साहित्य के साथ विद्यमान संगीत के अंतर्संबंध के बारे में बताकर उन्हें हिन्दी साहित्येतिहास के अलग-अलग कालों में रचित साहित्य के साथ विद्यमान संगीत के निकट सम्बन्ध से भली-भाँति परिचित कराना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 साहित्य और संगीत का अंतर्संबंध, वैदिक संगीत का सामान्य परिचय, भारत और संगीत, आदिकाल और संगीत

इकाई 2 मध्यकालीन वाद्ययंत्र, सूफी साहित्य और संगीत, संत साहित्य और संगीत, कृष्ण काव्य और संगीत

इकाई 3 रामकाव्य और संगीत ; प्रसाद, निराला, महादेवी वर्मा और पंत के काव्य में संगीतात्मकता

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *विश्व संगीत का इतिहास* – अमलदास शर्मा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
2. *कोशिश: संगीत समझ ने की* -- केशवचन्द्र वर्मा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
3. *राग और रस के बहाने* -- केशवचन्द्र वर्मा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
4. *स्मरण संगीत* – सुधा पटवर्धन, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।

HIN-RG-6016

तुलनात्मक भारतीय साहित्य : असमीया कहानी

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण :20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को महान भारतीय साहित्य के एक अनिवार्य अंश के रूप में चुनिन्दा कहानियों के जरिए समृद्ध असमीया कहानी साहित्य से परिचित कराकर उनमें निहित विशिष्ट जीवन-बोध एवं शिल्पगत चमत्कार की जानकारी दिलाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **जलकुँवरी** (लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा), **नदराम** (शरतचन्द्र गोस्वामी), **केराणीर कपाल** (महीचन्द बरा)**, रे बड़े भाई** (हलिराम डेका)

इकाई 2 **तिनिचकीया गाड़ी** (सैयद आब्दुल मालिक), **गराखहनीया** (योगेश दास), **धोरा साँप** (भबेन्द्रनाथ शइकीया), **पर्दा** (होमेन बरगोहाञि)

इकाई 3 **बीणा कुटिर** (सौरभ कुमार चलिहा), **मने मने** (स्नेह देवी), **राजनीति नुबुजा मानुह** (पूरबी बरमुदै), **मधुपुर बहु दूर** (शीलभद्र)

<u>पाठ्य-पुस्तक एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

1. *असमीया गल्प संकलन* – निर्मल प्रभा बरदलै (संक.), नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया ।

2. *आधुनिक असमीया गल्प-संग्रह* – त्रैलोक्यनाथ गोस्वामी (संक. एवं संपा.), साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली ।

3. *असमीया गल्प संकलन (प्रथम खण्ड)* – होमेन बरगोहाञि (संक.), असम प्रकाशन परिषद, गुवाहाटी ।

4. *असमीया गल्प चयन* – नगेन शइकीया (संपा.), नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया ।

5. *श्रेष्ठ असमीया चुटि गल्प* – डॉ॰ शैलेन भराली (संपा.) ।

6. *बिंश शतिकार असमीया साहित्य* – होमेन बरगोहाञि, असम साहित्य सभा ।

7. *असमीया चुटि गल्प अध्ययन* – प्रह्लाद कुमार बरुवा ।

8. *चुटि गल्प* – उदय दत्त, असम साहित्य सभा ।

9. *चुटि गल्प* – जमुना शर्मा, मयूर प्रकाशन ।

स्नातक साधारण पाठ्यक्रम (सी.सी)

HIN-CC-3016

हिन्दी काव्य-धारा

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण :20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>**लक्ष्य**</u> **:** *विद्यार्थियों को असमीया वैष्णव साहित्यकार श्रीमन्त शंकरदेव-विरचित बरगीतों-सहित हिन्दी काव्यधारा के प्राचीन एवं आधुनिक कवियों की चुनी हुई रचनाओं का रसास्वादन कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 *हिन्दी काव्य सुधा* – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि.

<u>निर्धारित पाठ</u> : **साखी** (कबीरदास), **बरगीत** – 1, 2 (शंकरदेव), **गोकुललीला**, **भ्रमरगीत** (सूरदास), **पद** - 1, 2, 3 (मीराँबाई) और **दोहावली** (तुलसीदास)

इकाई 2 *हिन्दी काव्य सुधा* – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि.

<u>निर्धारित पाठ</u> : **चित्रकूट में सीता** (मैथिलीशरण गुप्त), **पुष्प की अभिलाषा** (माखनलाल चतुर्वेदी), **प्रज्वलित वह्नि** (बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'), **अशोक की चिन्ता** (जयशंकर प्रसाद)

इकाई 3 *हिन्दी काव्य सुधा* – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि.

<u>निर्धारित पाठ</u> : **तोड़ती पत्थर** (सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'), **पतझर** (सुमित्रानन्दन पंत), **बीन भी हूँ** (महादेवी वर्मा), **आत्म परिचय** (बच्चन)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (काव्यखण्ड)* – विश्वम्भर 'मानव', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. *हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *हिन्दी साहित्य : एक परिचय* – डॉ॰ त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
4. *हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास* – बाबू गुलाबराय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा ।
5. *आधुनिक हिन्दी कविता* – डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन ।
6. *कबीर* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7. *सूर और उनका साहित्य* – डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।
8. *तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन* – डॉ॰ देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
9. *मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत* -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
10. *निराला और समकालीन हिन्दी कविता* – डॉ॰ बीना शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
11. *कवि सुमित्रानन्दन पन्त* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
12. *महादेवी* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
13. *जयशंकर प्रसाद* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
14. *सामाजिक पृष्ठभूमि-सहित असम के बरगीत* – बापचन्द्र महन्त, स्वर्गीय कमल कुमारी बरुवा ट्रस्ट फंड, जोरहाट ।
15. *मीरा का काव्य* – विश्वनाथ त्रिपाठी, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली ।
16. *बच्चन : कविता और जीवन के अन्तःसूत्र* – सीमा जैन, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN-CC-4016
हिन्दी कथा साहित्य

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण :20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को समृद्ध हिन्दी कथा साहित्य की झाँकी के रूप में एक लोकप्रिय उपन्यास तथा छः मनोरम कहानियों का रसास्वादन कराते हुए इनमें निहित जीवन-बोध का अनुभव कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **निर्मला** : मुंशी प्रेमचन्द

इकाई 2 *हिन्दी कहानी वीथिका* – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौहाटी विश्वविद्यालय

निर्धारित पाठ : **जयदोल** (अज्ञेय), **ठेस** (फणीश्वरनाथ रेणु), **आत्मा की आवाज** (कमलेश्वर)

इकाई 3 *हिन्दी कहानी वीथिका* – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौहाटी विश्वविद्यालय

निर्धारित पाठ : **दुलाईवाली** (बंगमहिला), **कजाकी** (प्रेमचन्द), **ताई** (विश्वंभर शर्मा 'कौशिक')

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी कहानी : चरित्र-चित्रण का विकास* – डॉ॰ उषा गोयल, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।
2. *कहानी की बात* – मार्कन्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. *आधुनिक हिन्दी कहानी* – डॉ॰ लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. *प्रेमचन्द और उनका युग* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. *हमारे कवि और लेखक* – डॉ॰ राजेश्वरप्रकाश चतुर्वेदी और राकेश, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
6. *कहानीकार अज्ञेय : सन्दर्भ और प्रकृति* – डॉ॰ चन्द्रभानु सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
7. *कथाकार विश्वंभर शर्मा 'कौशिक'* – डॉ॰ सुनीता चौहान, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
8. *कहानीकार कमलेश्वर : सन्दर्भ और प्रकृति* – सूर्यनारायण रणसुभे, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
9. *रेणु का कथा-साहित्य* – डॉ॰ सुरेश चन्द्र महरोत्रा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।